an>

Title: Need to provide adequate funds for development of the historical forts in Maharashtra.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर) ः कोल्हापुर जिले में 13 किले और पूरे महाराष्ट्र में 750 किले हैं। सर्वे के अनुसार पूरे भारत देश में सबसे ज्यादा किले महाराष्ट्र में है। 2000 से 2250 साल पुराने किले महाराष्ट्र में हैं, जैसे- हड़सर, चावंड, जीवधन, नाड़ेघाट, इत्यादि। महाराष्ट्र के पहाड़ी किलों का पर्यटन की दृष्टि से सही ढंग से विकास किया जाये तो विदेशी पर्यटकों को और अधिक मात्रा में आकर्षित किया जा सकता है। महाराष्ट्र के ज्यादातर किलों का केंद्र सूची और राज्य सूची में समावेश नहीं है। महाराष्ट्र में 5 विभिन्न किले देखने को मिलते हैं, जैसे कि-

1. जलदुर्ग - सिंधुदुर्ग, मरूड़, जंजीरा

2. किनारी किले - विजय दुर्ग

3. वनदुर्ग - वासाटा

4. पहाड़ी - रायगढ़, पन्हाला

5. भुयकोट - नणदुर्ग, परान्दा

भारत सरकार के आर्क्योलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया के पास काफी किलों का पंजीकरण नहीं है। इस वजह से इन किलों का विकास नहीं हो पाया है।

राजस्थन के किले "ए " ग्रेड के हैं। उसी प्रकार, महाराष्ट्र में रायगढ़, पन्हाला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग आदि किले का "ए " ग्रेड में समावेश है, परंतु इसमें से काफी किलों को "ए " ग्रेड प्राप्त नहीं है। इन किलों का भी समावेश होना चाहिए।

कोल्हापुर जिले के पन्हाला किले को केंद्र या पुरातत्व विभाग की ओर से बहुत कम निधि प्राप्त होती है। पन्हाला किले को राज्य सरकार द्वारा हिल स्टेशन का दर्जा देकर विकास करना जरूरी है।

मैं केंद्र सरकार से गुजारिश करता हूँ कि सभी किलों का विकास करने के लिए केंद्र पर्यटन विकास निधि से पर्याप्त मात्रा में बजट आवंटित किया जाये।